कोटद्वार, शनिवार
31 अगस्त 2024
वर्षः 46
अंकः 124 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सोनप्रयाग से 2000 यात्री हुए केदारनाथ रवाना

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा पर अब यात्रियों की संख्या में इजाफा होने लगा है। शुक्रवार को सोनप्रयाग से 2000 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान किया। इससे व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली। बीते 31 जुलाई से उनका कारोबार ठप पड़ा हुआ था। केदारनाथ धाम की यात्रा को लेकर यात्रियों में उत्साह है। मार्ग की स्थिति ज्यादा बेहतर न होने पर भी बाबा केदार के दर्शनों के लिए लोग दूर-दूर से आ रहे हैं। शुक्रवार को सोनप्रयाग और केदारनाथ में सुबह के दौरान मौसम बेहतर था जिसके चलते पुलिस ने 2000 तीर्थयात्रियों को केदारनाथ के लिए रवाना किया। यात्रियों ने खुशी से झूमते हुए जय बाबा केदार के जयघोषों के बीच अपनी यात्रा शुरू की। हालांकि अभी बारिश से केदारनाथ पैदल मार्ग में मुश्किलें जरूर है किंतु यात्री कठिन परिस्थिति में भी केदारनाथ जाने के लिए उत्साहित है। सोनप्रयाग कोतवाली निरीक्षक देवेंद्र असवाल ने बताया कि शुक्रवार को 12 बजे तक 2000 यात्री केदारनाथ के लिए रवाना किया। जबकि इसके बाद किसी भी यात्री को केदारनाथ नहीं भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रात में पैदल मार्ग पर किसी भी यात्री को आवाजाही करने की अनुमति नहीं है।

ट्रांसजेंडर अधिनियम की नियमावली में संशोधन करे सरकार : हाईकोर्ट

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के फैसले को रद करते हुए राज्य सरकार को ट्रांसजेंडर अधिनियम, 2019 की नियमावली में संशोधन करने के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में शुक्रवार को ट्रांसजेंडर के शैक्षिक प्रमाण पत्रों में नाम और लिंग परिवर्तन से इनकार करने के मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों की मान्यता को अनिवार्य रूप से लागू करने पर जोर दिया जाए।मामले के अनुसार, हल्द्वानी निवासी ट्रांसजेंडर ने याचिका दायर कर कहा था कि पहले वह लड़की के नाम से जाना जाता था। वर्ष 2020 में दिल्ली के अस्पताल में यौन पुनर्मूल्यांकन सर्जरी कराई और कानूनी तौर पर अपना नाम और लिंग बदल लिया। ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 7 के तहत जिला मजिस्ट्रेट नैनीताल की ओर से जारी पहचान पत्र रखने के बावजूद उनके शैक्षिक प्रमाण पत्रों में अपना नाम और लिंग अपडेट करने के उनके अनुरोध को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड ने अस्वीकार कर दिया। शिक्षा बोर्ड ने हवाला दिया कि याचिकाकर्ता का मामला बोर्ड के विनियमों के अध्याय-12 के खंड 27 के अंतर्गत नहीं आता है। क्योंकि यह नियम केवल उन नामों में बदलाव की अनुमति देता है जो अश्लील या अपमानजनक हैं।

रेल मंत्री का भक्तों को तोहफा, गणेश उत्सव पर चलाई जाएंगी 342 स्पेशल ट्रेन

नईदिल्ली,महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश में गणपति उत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं. इस मौके पर सरकार ने भी भक्तों को तोहफा दिया है. रेल मंत्री ने प्रेस कॉफ्रेंस कर गणेश उत्सव पर 343 स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. जिससे भक्तों की सारी परेशानी दूर हो जाएंगी. क्योंकि गणपति उत्सव के दौरान महाराष्ट्र जाने वाली सभी ट्रेनों में भीड़ हो जाती है. जिसके चलते काफी भक्त गणपति उत्सव में शामिल ही नहीं हो पाते हैं. विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. आपको बता दें कि गणेश उत्सव 7 सितंबर से शुरू हो रहा है. यह उत्सव पूरे 10 दिन चलता है. महाराष्ट्र के लोगों के लिए ये त्योहार बहुत ही महत्व रखता है. गणेश भक्तों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि अगले महीने गणेश उत्सव के लिए 342 स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाने वाला है. ताकि किसी भी भक्त को परेशानी न उठानी पड़े. ये ट्रेनें 7 सितंबर से ही शुरू कर दी जाएंगी. साथ ही जब तक उत्सव खत्म नहीं होगा. तब तक चलती रहेंगी. रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि 7 सितंबर से शुरू होने वाले दस दिवसीय उत्सव के दौरान हर साल लाखों लोग मुंबई से कोंकण में अपने मूल स्थानों के लिए यात्रा करते हैं.

आज भारत में होता है दुनिया का आधा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शनः मोदी

● ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोले पीएम

मुंबई,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को मुंबई स्थिति जियो व?र्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 में शामिल हुए. इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया. पीएम मोदी ने कहा कि, भारत में अभी त्योहारों का मौसम है, अभी अभी जन्माष्टमी हमने मनाई है और खुशी देखिए हमारी इकॉनोमी और मार्केट में भी उत्सव का माहौल है. इस फेस्टिव मूड में ये ग्लोबल फिनटेक फैस्टिवल हो रहो रहा है वो भी सपनों की नगरी मुंबई में.प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि, एयरपोर्ट से लेकर फूड और शॉपिंग एक्सपीरियंस तक तक भारत की फिनटेक क्रांति चारों तरफ दिखती है, पिछले 10 साल में फिनटेक स्पेस में 31 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है. दस साल में हमारे फिनटेक स्टार्टअप में 500 प्रतिशत वृद्धि हुई है, सस्ते मोबाइल फोन, सस्ते डेटा और जीरो बैलेंस जनधन खातों ने भारत में कमाल कर दिया है.

पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक दशक में ही ब्रॉडबैंड यूजर 6 करोड़ से बढक़र 94 करोड़ हो गए हैं. आज 18 वर्ष से ऊपर का शायद ही कोई भारतीय हो जिसके पास उसकी डिजिटल आइडेंटिटी आधार कार्ड नहीं है.

6 महीने के भीतर मणिपुर में होगी शांति, सीएम एन. बीरेन सिंह ने कहा-क्यों दूं इस्तीफा?

इंफाल,मणिपुर में जातीय हिंसा के धीरे-धीरे कम होने के बीच, राज्य के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने केंद्र की मदद से छह महीने में पूर्ण शांति बहाल करने का वादा किया है। इसके अलावा विपक्ष की ओर से लगातार इस्तीफे की मांग पर भी उन्होंने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो कोई अपराध किया है और न ही कोई घोटाला किया है, इसलिए वह पद से इस्तीफा नहीं देंगे। सीएम एन. बीरेन सिंह ने कहा कि उन्होंने कुकी-जो और मेइती नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक दूत नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस विवाद को बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। संवाद ही एक मात्र रास्ता है। उन्होंने बताया कि नगा विधायक और ह्यहिल एरिया कमेटीह्व के अध्यक्ष डिंगांगलुंग गंगमेई को दूत नियुक्त किया गया है। यह पूछे जाने पर कि शांति बहाल करने के वास्ते उन्होंने स्वयं के लिए क्या समय-सीमा तय की है? इस पर सीएम ने संकेत दिया कि शांति लाने में बातचीत के साथ-साथ केंद्र सरकार की भागीदारी अहम होगी, चाहे वह गृह मंत्रालय के माध्यम से हो या अन्य एजेंसी के माध्यम से।

सीएम धामी ने किया टिहरी स्थित कांगुड़ा नागराज मंदिर पुर्नस्थापना जागरण समारोह में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को जनपद टिहरी स्थित कांगुड़ा नागराज मंदिर परिसर पहुंचकर कांगुड़ा नागराज मंदिर पुनर्स्थापना जागरण समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर की परिक्रमा कर भगवान कांगुड़ा नागराज मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित मंदिर में भगवान कांगुड़ा नागराज के प्राण प्रतिष्ठा की बधाई देते हुए समस्त प्रदेशवासियों की मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। उन्होंने कहा कि इस पूज्य धरती पर दूसरी बार आने का उन्हें सौभाग्य मिला है। कांगुड़ा को पर्यटन एवं धार्मिक रूप में विकसित करने हेतु की गई घोषणा जल्द ही पूरी होगी। इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराएगी लगभग 2 करोड़ की डीपीआर को जल्द स्वीकृति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र का विकास मास्टर प्लान बनाकर किया जाएगा। मंदिर परिसर में आधुनिक गेस्ट हाउस, 30 हजार लीटर क्षमता का पेयजल स्टोरेज टैंक, मंदिर परिसर पहुंच मार्ग में टीन शेड, हाई मास्क आदि अन्य कार्य किए जायेंगे। राज्य सरकार देवभूमि के धार्मिक और सांस्कृतिक विकास को नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जन हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, जनधन योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाएं अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। राज्य में एक लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। 2025 तक डेढ़ लाख बहनों को लखपति बनाने का लक्ष्य है। राज्य सरकार प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने हेतु विकल्प रहित संकल्प के साथ कार्य कर रही है। डबल इंजन की सरकार द्वारा धनोल्टी क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं में वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस मौके पर क्षेत्र के लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को क्षेत्र के विकास से संबंधित मांग पत्र सौंपा गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने परीक्षण कर सकारात्मक कार्यवाही किए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि छाम-बल्डोगी झूला पुल की मांग सहित कई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। छाम-बल्डोगी झूला पुल हेतु रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है।

धनौल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। राज्य आन्दोलन कारियों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लाया गया है।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को फिर लिखी चिट्ठी

कहा-मेरे पत्र का कोई जवाब नहीं मिला

कोलकाता,कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के रेप हत्या के मामले में हंगामे के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है. जिसमें उन्होंने कहा कि, उन्होंने पहले दुष्कर्म के मामलों के लिए कड़े केंद्रीय कानून और अपराधियों के लिए अनुकरणीय सजा का अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पत्र में लिखा, बलात्कार की घटनाओं पर कड़े केंद्रीय कानून की आवश्यकता और ऐसे अपराधों के अपराधियों को कड़ी सजा देने की आवश्यकता के संबंध में आप कृपया 22 अगस्त, 2024 के मेरे पत्र संख्या 44-सीएम (प्रतिलिपि संलग्न) का संज्ञान ले सकते हैं. इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला. हालांकि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री की ओर से एक जवाब मिला है, जो पत्र में उठाए गए मुद्दे की गंभीरता को बमुश्किल से दर्शाता है. ममता बनर्जी ने कहा कि, मेरा विचार है कि इस सामान्य उत्तर को भेजते समय विषय की गंभीरता और समाज के लिए इसकी प्रासंगिकता की पर्याप्त सराहना नहीं की गई है.

इतना ही नहीं, मैं इस क्षेत्र में कुछ पहलों का भी उल्लेख करूंगा जो हमारे राज्य ने पहले ही की हैं, जिन्हें उत्तर में नजरअंदाज कर दिया गया है. ममता बनर्जी ने इस पत्र में आगे लिखा है कि, राज्य सरकार ने 10 विशेष पोक्सो अदालतों को मंजूरी दी है. उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि राज्य में 88 फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें और 62 पोक्सो -नामित अदालतें राज्य भर में काम कर रही हैं जिनका पूरा खर्च राज्य सरकार उठा रही है.

दून अस्पताल की चौथी मंजिल पर चढ़ा युवक

देहरादून। मोबाइल चोरी होने के नाराज एक युवक शुक्रवार सुबह दून अस्पताल की इमरजेंसी बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर चढ़ गया। उसने बिल्डिंग से नीचे कूदने की धमकी देकर दो घंटे पुलिस और अस्पताल प्रशासन की सांसे थामे रखी। एक अधिवक्ता की सूझबूझ से किसी तरह युवक को पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसे शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे एक युवक ने 108 सेवा बुलाकर 23 वर्षीय हर्ष को रेलवे स्टेशन से दून अस्पताल भेजा था। सांस लेने में परेशानी होने के कारण डाक्टरों ने उसका चेकअप किया और उसे ईसीजी के लिए भेज दिया। ईसीजी के बाद अचानक युवक ने हंगामा शुरू कर दिया। युवक का आरोप था कि उसका मोबाइल(आईफोन) और सामान चोरी हो गया है। सुरक्षाकर्मियों और सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन हर्ष चकमा देकर अस्पताल के चौथे माले पर पहुंच गया और नीचे कूंदने की धमकी देने लगा।

गुजरात में बारिश और बाढ़ के बाद तूफान असना का खतरा, कच्छ में अलर्ट जारी

● लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया

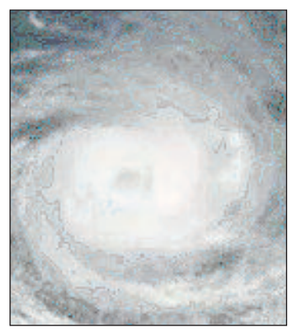

अहमदाबाद,गुजरात में जहां एक ओर बारिश और बाढ़ तबाही मचा रही है वहीं चक्रवाती तूफान असना का भी खतरा मंडरा रहा है। कच्छ क्षेत्र के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके चलते जिले में अधिकारियों ने झोपडिय़ों और अस्थायी घरों में रह रहे लोगों को स्कूलों, मंदिरों या अन्य इमारतों में आश्रय लेने को कहा है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद, कच्छ के जिलाधिकारी ने एक वीडियो संदेश जारी कर अबडासा, मांडवी और लखपत तालुका में रह रहे लोगों से अपनी झोपडिय़ों और कच्चे घरों को छोडक़र किसी स्कूल या अन्य इमारतों में शरण लेने के लिए कहा। उन्होंने स्थानीय लोगों से, शुक्रवार शाम तक के लिए ऐसे गरीब वर्ग के लोगों को अपने घरों में शरण देने के लिए आगे आने की अपील की है।मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार रात अपने बयान में कहा, कच्छ और आसपास के इलाकों में बने गहरे दबाव के, अगले 12 घंटे के दौरान उत्तर-पूर्व अरब सागर में पश्चिम की ओर बढऩे और एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के आसार हैं। इसके बाद यह अगले दो दिनों के दौरान भारतीय तट से दूर पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि आईएमडी की चेतावनी के बाद, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बृहस्पतिवार रात गांधीनगर में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे और वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अरोड़ा से जिला प्रशासन की तैयारियों के बारे में बात की। अगर गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवात का रूप ले लेता है तो इसका नाम ह्यअसनाह्व रखा जाएगा, जो पाकिस्तान द्वारा सुझाया गया नाम है। यह एक दुर्लभ घटना है कि जमीन पर बना गहरा दबाव समुद्र में चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इतना ही नहीं, अगस्त में अरब सागर में चक्रवात का बनना भी दुर्लभ है। आईएमडी ने कहा, इस अवधि के दौरान समुद्र की स्थिति खराब रहेगी, ऊंची लहरें उठेंगी और गुजरात तट पर हवा की गति 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती है।

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए शुरू की तैयारी, उठाए जाएंगे ये कदम

नईदिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियों में बढऩे वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम में लिए आम आदमी पार्टी सरकार ने अभी से 14 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान पर काम शुरू कर दिया है।इसमें इस बार वाहनों के संचालन पर लागू होने वाले ऑड-ईवन नियम के खिलाफ घर से काम को तरहीज दी जा सकती है।इस संबंध में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सचिवालय में एक विशेष बैठक बुलाकर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पर्यावरण मंत्री राय ने बताया कि विशेषज्ञों ने गंभीर श्रेणी के प्रदूषण वाले दिनों में दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इससे प्रदूषण के स्तर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।मंत्री ने बताया कि इस सुझाव पर आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों और सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक करने के लिए वह शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा जाएगा। पर्यावरण मंत्री राय ने कहा कि बैठक में सभी संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लेकर वाहनों के संचालन में ऑड-ईवन नियम की जगह घर से काम करने पर जोर देने का सुझाव दिया है।उन्होंने कहा कि इस बार सरकार लोगों को प्रदूषण के दिनों के दौरान घर से काम करने को प्रोत्साहित करेगी और ऑड-ईवन नियम के स्थान पर एक स्लॉट के वाहनों पर स्वैच्छिक प्रतिबंध का फार्मूला लागू करेगी। पर्यावरण मंत्री राय ने कहा कि विशेषज्ञों की बैठक में मुख्य सुझाव प्रदूषण से जुड़े लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने का भी मिला है। ऐसे में इस बार सरकार इस संबंध में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर लोगों प्रेरित करेगी।उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न कार्यालयों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित करने, बायोमास जलने से रोकने के लिए कंपनियों के सीएसआर फंड से हीटर खरीदकर वितरित करने, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के भी सुझाव मिले हैं।

पर्यावरण मंत्री राय ने कहा कि बैठक में मिले सुझावों के आधार पर आगामी शीतकालीन कार्य योजना तैयार की जाएगी। यह बैठक अच्छे सुझावों के लिए ही आयोजित की गई थी।उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी विभागों के सहयोग से गर्मी और सर्दी के लिए एक्शन प्लान बनाकर प्रदूषण कम करने में सफलता पाई है। संयुक्त प्रयासों के कारण 2016 में जहां अच्छे, संतोषजनक और मध्यम दिनों की संख्या 110 थी, जो 2023 में बढक़र 206 पहुंच गई है। मंत्री राय ने कहा कि इस वर्ष के लिए 14 ध्यान देने योग्य बिंदुओं की पहचान की गई है और सरकार इन पर प्राथमिकता के साथ काम करेगी। इनमें धूल, वाहनों और औद्योगिक प्रदूषण, पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण, खुले में कूड़ा जलाने और पटाखे फोडऩे से होने वाला प्रदूषण प्रमुख है।उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण रोकने के लिए ग्रीन कवर बढ़ाने और वृक्षारोपण के साथ-साथ जन भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

उत्तराखंड सहित कई राज्यों में ईडी की रेड, रजिस्ट्री घोटाले व भूमाफिया के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

देहरादून। उत्तराखंड में हुए अब तक के सबसे बड़े 'फर्जी रजिस्ट्री घोटाला' मामले में पांच राज्यों में ईडी की कार्रवाई जारी है। ईडी सभी जगह सर्च ऑपरेशन चला रही है।सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी की ओर से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, असम, पंजाब के लुधियाना सहित अन्य लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जानकारी के अनुसार देहरादून व ऋषिकेश के विभिन्न ठिकानों पर भी यह रेड चल रही है।

दो बड़े अधिवक्ता भी इस मामले में आरोपित

यह कार्रवाई कई भू माफिया, रजिस्ट्री कार्यालय में कार्यरत सरकारी कर्मचारी-अधिकारी, सरकारी वकील सहित कुछ बिल्डर के लोकेशन पर चल रही है। जुलाई 2022 में देहरादून फर्जी रजिस्ट्री घोटाला सामने आया था। इस मामले में पुलिस 18 मुकदमे दर्ज कर चुकी है। वहीं, 20 से ज्यादा आरोपित जेल में बंद हैं। वहीं, दो बड़े अधिवक्ता भी इस मामले में आरोपित हैं। इसके अलावा भूमाफिया जितेंद्र खरबंदा व अजय पुंडीर को भी ईडी ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

पाकिस्तान के साथ बातचीत का युग खत्म, हम निष्क्रिय नहीं, प्रतिक्रिया का देंगे जवाब

-जयशंकर की दो टूक

नईदिल्ली,भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को दिल्ली में एक किताब के मोचन में शामिल हुए। यहां पर उन्होंने भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर खुलकर बात की और पड़ोसी देश को दो टूक जवाब भी दिया है। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बराबार बातचीत का युग समाप्त हो चुका है। सभी कामों के परिणाम होते हैं। जहां तक जम्मू-कश्मीर का संबंध है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया है। इसलिए आज मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस प्रकार के संबंधों पर विचार कर सकते हैं।

जयशंकर ने साफ कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि हम निष्क्रिय नहीं हैं... घटनाएं चाहे सकारात्मक दिशा में जाएं या नकारात्मक, हम किसी भी तरह से प्रतिक्रिया करेंगे। विदेश मंत्रलाय कार्यालय के अनुसार, दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच पाकिस्तान ने अक्टूबर में इस्लामाबाद में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया है। किताब के विमोचन समारोह में अफगानिस्तान पर बोलते हुए,विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने कहा, सामाजिक स्तर पर लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं।

गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने से हडकंप, छात्राओं ने किया बवाल

-आरोपी के लैपटॉप में थे 300 गंदे वीडियोज

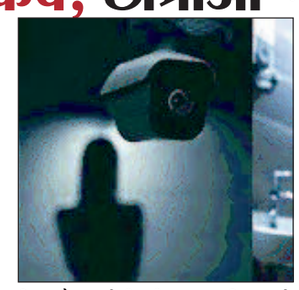

कृष्णा (आंध्र प्रदेशा)। गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने से छात्राओं के बीच हडकंप मच गया। छात्राओं ने बीती रात न्याय की मांग करते हुए विरोध जताया। छात्राओं की निजता से जुड़ा यह ताजा मामला आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले से प्रकाश में आया है। यहां के एसआर गुडलवल्लेरु इंजीनियरिंग कॉलेज में गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम से हिडन कैमरा छुपा कर रखा गया था, जिसके मिलने से यहां के छात्राओं में तनाव का माहौल है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान विजय के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी इसी कॉलेज का छात्र था। पुलिस ने उसके पास से एक लैपटॉप भी बरामद किया है। लैपटॉप खंगालने के बाद पुलिस को 300 अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी विजय ने यह 300 अश्लील वीडियो कॉलेज के अन्य छात्रों को बेचा है। फिलहाल, आगे की जांच चल रही है।

बता दें कि हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा की सूचना एक छात्रा के द्वारा कॉलेज प्रशासन को दी गई थी। जब वह वॉशरूम गई तो उसे कुछ अजीब लगा, इसी दौरान उसने पाया कि यहां पर वीडियो कैप्चर करने के लिए एक कैमरा लगा हुआ था। इस खुलासे के बाद हिडन कैमरे को लेकर परिसर में छात्राओं की सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। छात्राओं ने न्याय की मांग की है। छात्रों ने निजता के उल्लंघन और उसके बाद वीडियो के प्रसार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

अपने प्रदेश को सुरक्षित नहीं रख पा रहीं सीएम ममता, लगाया जाए राष्ट्रपति शासन

नईदिल्ली,पश्चिम बंगाल की घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आज फिर ममता बनर्जी पर बोला हमला है। चिराग पासवान ने कहा कि हम चाहते हैं कि वहां पर केंद्र सरकार राष्ट्रपति शासन लागू करवाए। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की घटना पर जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। ममता बनर्जी अपने प्रदेश को सुरक्षित नहीं रख पा रही हैं। ऐसे में एक महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी वहां पर महिला सुरक्षित नहीं हैं। वहीं, इसके पहले चिराग पासवान ने पिछले हफ्ते ममता बनर्जी पर अपनी ही सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए निशाना साधा था। चिराग पासवान ने कहा था कि यह पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार की कमजोरी को दर्शाता है।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी ने आमंत्रित किए सुझाव

नई दिल्ली,वक्फ (संशोधन) बिल 2024 पर विस्तार से विचार-विमर्श करने के लिए शुक्रवार को जेपीसी की दूसरी बैठक के लिए सुझाव मांगे गए।

जेपीसी ने बिल पर अपना-अपना पक्ष रखने के लिए कई मुस्लिम संगठनों को आमंत्रित किया है। ऑल इंडिया सुन्नी जमीयत-ए-उलेमा- मुंबई, इंडियन मुस्लिम्स फॉर सिविल राइट्स -नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधि शुक्रवार को जेपीसी की बैठक में बिल को लेकर अपना-अपना पक्ष रखेंगे। इससे पहले जेपीसी की पहली बैठक 22 अगस्त को हुई थी,जो काफी हंगामेदार रही थी। बैठक में भाजपा और विपक्षी सांसदों के बीच बिल के उद्देश्य और इसके प्रावधानों को लेकर तीखी बहस हुई थी। उसी बैठक में विपक्षी सांसदों की तरफ से यह सुझाव भी दिया गया था कि बिल से जुड़े सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार विमर्श के लिए अखबारों में विज्ञापन देकर सुझाव आमंत्रित करना चाहिए।

सांसदों की इस मांग को स्वीकार करते हुए जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर सुझाव आमंत्रित किए है। लोक सभा सचिवालय की तरफ से विज्ञापन जारी कर यह बताया गया है कि, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लेकर कोई भी व्यक्ति या संस्था डाक, फैक्स और ईमेल के माध्यम से अपने सुझाव जेपीसी को भेज सकती है।

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए विज्ञापन के अनुसार,लोकसभा में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को जांच और रिपोर्ट के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है। प्रस्तावित विधेयक के व्यापक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए, जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में गठित समिति ने आम जनता और विशेष रूप से गैर सरकारी संगठनों/विशेषज्ञों/हितधारकों और संस्थानों से विचार/सुझाव वाले ज्ञापन आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

इसमें आगे कहा गया है कि, समिति को लिखित ज्ञापन या सुझाव देने के इच्छुक लोग अंग्रेजी या हिंदी में दो प्रतियां संयुक्त सचिव (जेएम), लोकसभा सचिवालय, कमरा नंबर 440, पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी, नई दिल्ली-110001, पर भेज सकते हैं।

फैक्स के लिए नंबर -23017709 भी जारी किया गया है। सुझाव देने के लिए समिति की तरफ से मेल आईडी भी जारी किया गया है।

संपादकीय

पशुओं से खतरनाक दुराचारी

उत्तराखंड के एक–एक कण में देवताओं का वास माना जाता है और यहां छोटी बच्चियों व महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता है। हालांकि पिछले कुछ दशकों में उत्तराखंड की आबो–हवा भी काफी बदल चुकी है और यहां भी अब ऐसी दिल दहला देने वाली घटनाएं देखने और सुनने को मिलती है जो कभी देवभूमि उत्तराखंड में यदा–कदा ही प्रकाश में आती थी। मामला अल्मोड़ा के सॉल्ट विकासखंड के एक गांव से जुड़ा हुआ है जहां एक राष्ट्रीय पार्टी का मंडल अध्यक्ष स्तर का नेता इस "डर्टी स्टोरी" का खलनायक है। असल में एक किशोरी अपने मवेशियों को लेकर भाइयों के साथ जंगल में गई थी जहां यह नेताजी भी पहुंचे और उन्होंने लड़की के भाइयों को चॉकलेट का बहाना दिखाकर दूर भेज दिया और उसके बाद किशोरी के साथ बलात्कार किया। नेता का व्यभिचार चरित्र यही तक सीमित नहीं रहा बल्कि उसने इस घटना के पांच दिन बाद तक परिवार के लोगों को डराने धमकाने का कार्य किया, लेकिन लड़की के पिता ने हिम्मत दिखाई और दुराचारी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। नेता अब फरार है लेकिन इस घटना ने पूरी देवभूमि को सकते में डाल दिया है और यह सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर हमारी बच्चियां कहां और किस हद तक सुरक्षित है? अभी कोलकाता की दिल दहला देने वाली घटना से ही लोग उबर नहीं पाए हैं तो वही उत्तराखंड में भी देहरादून के आईएसबीटी में रोडवेज कर्मचारियों द्वारा एक लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के प्रकरण ने भी लड़कियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए। उत्तराखंड में पहाड़ों में लड़कियों को सर्वाधिक सुरक्षित माना जाता था और यह बात काफी हद तक सही भी थी क्योंकि यहां अक्सर लड़कियां घने जंगलों में मवेशियों को लेकर आती जाती है और शायद ही कभी इस प्रकार की कोई घटना सुनने को मिली हो, लेकिन अब वाकई देवभूमि उत्तराखंड में भी हवा का मिजाज बदल चुका है और यहां अब ग्रामीणों को अपनी बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सतर्क होना होगा। खास तौर से वह लड़कियां जो जंगलों में चारा लेने और मवेशियों को चराने के लिए ले जाती हैं। ऐसी लड़कियों की सुरक्षा के मामले को अब यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता, विशेष तौर पर जब अपने ही आसपास गांव क्षेत्र में ऐसे लोग घूम रहे हों।

क्या रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति संभव भी है?

पूर्वी यूक्रेन के माइंस शहर पोकरोवस्क के निवासी जल्दी से जल्दी वहां से भागने की तैयारी कर रहे हैं। रूसी सेना इस शहर से केवल 11 किमी की दूरी पर हैं। यूक्रेन को उम्मीद थी कि क्रूस्क पर उसके अचानक किए गए हमले के नतीजे में इस मोर्चे पर रूस धीमा पड़ेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ और रूसी सेनाएं और तेजी से आगे बढ़ी हैं। रूस के लिए इस शहर पर कब्ज़ा एक रणनीतिक लक्ष्य है, जो दिनप्रो और जेपोरिसिया जैसे बड़े शहरों की ओर बढने का रास्ता खोल देगा। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य अधिकारी रूस के आगे बढने की कुछ और ही वजहें बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में गोला–बारूद नहीं है और दुश्मन उनसे दस गुने तक अधिक असलहे का इस्तेमाल कर रहा है। कुछ अन्य रूस की रणनीति की चर्चा करते हैं झ छोटे–छोटे समूहों में पैदल सेना द्वारा हमले, ग्लाईड बम और नए प्रकार के इलेक्ट्रानिक युद्ध। लेकिन लंबे समय से जारी युद्ध के कारण आई थकावट और पर्याप्त संख्या में सैनिक उपलब्ध न हो पाना यूक्रेन की इस विफलता के सबसे बड़े कारण हैं।

श्रुति व्यास

रूस अब पूरी तरह से मनमानी पर उतर आया है। सर्दी के मौसम की शुरूआत के साथ ही रूस ने एक बार फिर यूक्रेन की बिजली उत्पादन संरचना को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। सोमवार को रूस ने युद्ध प्रारंभ होने के बाद से सबसे बड़े हवाई हवाई में ड्रोनों और मिसाईलों के जरिए यूक्रेन के बिजली घरों पर हमले किए। रूस पहले भी यूक्रेन के पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनता रहा है, जिसका लक्ष्य उसके नागरिकों को अंधेरे में जीने पर मजबूर करना और हाड़ जमाने वाली सर्दी का हथियार के रूप में इस्तेमाल करना है।

ये हमले तब हुए जब युद्ध एक नाजुक दौर में है। इस दौर में यूक्रेन ने सीमा पार दक्षिणी रूस में घुसपैठ की है और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह रूसी भूभाग पर हुआ पहला हमला है। सोमवार को यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने रूस के और भीतरी इलाकों में घुसने का प्रयास किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने साथी देशों से अनुरोध किया है कि वे रूस की सीमा के अन्दर, भीतरी इलाकों पर आक्रमण के लिए उनके द्वारा दिए गए हथियारों के इस्तेमाल पर लगी पाबंदी हटा लें।

इस बीच पूर्वी यूक्रेन के माइंस शहर पोकरोवस्क के निवासी जल्दी से जल्दी वहां से भागने की तैयारी कर रहे हैं। रूसी सेना इस शहर से केवल 11 किमी की दूरी पर हैं। यूक्रेन को उम्मीद थी कि क्रूस्क पर उसके अचानक किए गए हमले के नतीजे में इस मोर्चे पर रूस धीमा पड़ेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ और रूसी सेनाएं और तेजी से आगे बढ़ी हैं। रूस के लिए इस शहर पर कब्ज़ा एक रणनीतिक लक्ष्य है, जो दिनप्रो और जेपोरिसिया जैसे बड़े शहरों की ओर बढने का रास्ता खोल देगा।

यूक्रेन के शीर्ष सैन्य अधिकारी रूस के आगे बढने की कुछ और ही वजहें बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में गोला–बारूद नहीं है और दुश्मन उनसे दस गुने तक अधिक असलहे का इस्तेमाल कर रहा है। कुछ अन्य रूस की रणनीति की चर्चा करते हैं झ छोटे–छोटे समूहों में पैदल सेना द्वारा हमले, ग्लाईड बम और नए प्रकार के इलेक्ट्रानिक युद्ध। लेकिन लंबे समय से जारी युद्ध के कारण आई थकावट और पर्याप्त संख्या में सैनिक उपलब्ध न हो पाना यूक्रेन की इस विफलता के सबसे बड़े कारण हैं। जनता डर के माहौल में जीते–जीते और अनिश्चित परिस्थितियों से तंग आ चुकी है। सैनिकों को अपनी शारीरिक क्षमता से बहुत अधिक काम करना पड़ रहा है और जो सैनिक तेज लड़ाई वाले मोर्चों पर तैनात हैं, उनका कहना है कि वहां हथियारों और सैन्य बल दोनों की संख्या दुश्मन की तुलना में बहुत कम है। रूस की लगातार बड़े हवाई हमले करने की क्षमता कायम है और इसके कारण यूक्रेन को कई ऐसे जगहों से पीछे हटना पड़ रहा है जहां उसकी जबरदस्त किलेबंदी है। इस स्थिति से निपटने का कोई उपाय ढूंढना उसकी प्रमुख सैन्य एवं कूटनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। कीव लगातार प्रयास कर रहा है कि युद्ध का रूख बदलने के लिए वह सीमा पार रूस के क्रूसक इलाके पर अधिकाधिक तीव्र हमले करे।

युद्ध शुरू हुए दो साल हो चुके हैं और वह लगातार जारी है। पुतिन अपनी जिद पर अड़े हुए हैं और पूरी निर्ममता से हमले कर रहे हैं। जेलेंस्की पूरी दृढ़ता से उनका मुकाबला कर रहे हैं। पश्चिम ने ठान रखा है कि वह पुतिन को सत्ता से बेदखल करके रहेगा। बड़े पैमाने पर पश्चिम की सैन्य सहायता के चलते ही यूक्रेन अब तक न तो पराजित हुआ है ना ही आत्मसमर्पण को बाध्य हुआ है। क्रेमलिन का इरादा उत्तरी यूक्रेन पर किए जा रहे हमलों को जारी रखने का नजर आता है, और वह पहले की तरह बेरहमी से टोरेस्क और अन्य शहरों में हवाई हमले जारी रखे हुए है। ऐसी खबरें हैं कि दो हफ्ते पहले यूक्रेनी सैनिकों के रूसी भूभाग में घुस आने के बाद से रूस में राष्ट्रपति पुतिन की छवि को धक्का पहुंचा है। यह भी पिछले कुछ दिनों में रूसी हमलों के अधिक तीव्र होने का एक कारण है। पोकरोवस्क पर कब्जे और डोनेस्क इलाके की प्रशासनिक सीमा की ओर आगे बढ़ जाना, पुतिन के लिए देश अन्दर यह दावा करने के लिए पर्याप्त होगा कि वे जीत रहे हैं।

रूस एवं यूक्रेन दोनों ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक–दूसरे के शहरों में घुसपैठ करने में सफलता हासिल कर ली है जिसका उपयोग युद्ध की समाप्ति के लिए होने वाली समझौता वार्ताओं में किया जा सकता है।

लेकिन क्या यूक्रेन ने समझौता वार्ताओं में अपनी स्थिति मज़बूत बनाने के लिए जिस रूसी भूभाग पर कब्जा किया है, वह उसे बनाए रखने में सफल होगा? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब तक तानाशाह पुतिन सत्ता पर काबिज है तब तक क्या युद्ध की समाप्ति संभव भी है?

एंटी कन्वर्जन कानून का प्रभाव और औचित्य

अजय दीक्षित

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश ने बहुत सख्त धर्म परिवर्तन कानून लागू किया है । ऐसा ही कानून उत्तराखण्ड और असम में भी पारित हो चुका है । इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों का कहना है कि इससे 'लव जिहाद' रुकेगा । अब लव जिहाद की कोई परिभाषा निर्धारित नहीं है । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अध्यक्ष डा. मोहन भागवत और पूर्ववर्ती अध्यक्ष भारत को एक हिन्दू राष्ट्र कहते हैं परन्तु इसको विस्तृत करके भारत के मुसलमानों और ईसाईयों को भी हिन्दू मानते हैं क्योंकि वे यहीं के धर्म परिवर्तित हैं । एंथ्रोपोलॉजी कल सर्वे आफ इण्डिया ने सौ खण्डों में पीपुल ऑफ़ इण्डिया में भारत के समुदायों का अध्ययन किया है । उसके अनुसार भारत के सभी समुदायों में मात्र एक समुदाय अरब से आया है । शेष यहीं के धर्म परिवर्तित हैं । इस अध्ययन में यह भी कहा गया है कि अनेक मुस्लिम समुदाय धर्म परिवर्तन से पहले के नियमों को मानते हैं । कई मुस्लिम समुदायों में घर में किसी की मृत्यु होने पर सूतक लगता है । अनेक मुस्लिम स्त्रियां बिछवे पहनती हैं । मांग भर्ती हैं । मंगलसूत्र पहनती हैं । ऐसा ही धर्म परिवर्तित ईसाईयों में भी होता है । असल में लव जिहाद क्या है? होना तो यह कि लडक़ी जब किसी लडक़े से प्यार करती है तो उसको लडक़े के बारे में सभी कुछ मालूम होना चाहिए । रोज अखबारों में पढ़ते हैं कि शादी के बाद लडक़ी को पता चलता है कि लडक़ा मुसलमान है और वह धर्म परिवर्तन पर जोर दे रहा है । तो गलती किसकी है? लडक़ी की और उसके मां–बाप की । आजकल ज्यादातर घरों में दोनों नौकरी करते हैं । उन्हें मालूम ही नहीं कि उनके बच्चे विशेष कर उनकी लडक़ी क्या कर रही है ? आजकल मोबाइल में भी स्थिति बिगाड़ दी है । अनेक अंर्त धार्मिक विवाहों में लडक़े– लडक़ी अपना–अपना धर्म मानते हैं और कोई भी धर्म परिवर्तन पर जोर नहीं देता । फारूक अब्दुल्ला की बेटी सारा अब्दुल्ला ने एक हिन्दू राजनेता सचिन पायलट से शादी की है । वे राजस्थान के बड़े नेता हैं । फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला की पत्नी हिन्दू है । वह मंदिरों में जाती है कोई रोक–टोक नहीं है । अनेक भाजपा के नेताओं की पत्नियां भी हिन्दू हैं और कोई किसी को धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य नहीं करता । उनके बच्चे जैसा चाहे वैसा धर्म अपना लेते हैं । यह धर्मांतरण ज्यादातर पैसे के लालच में होता है या फिर समाज में उनकी दयनीय स्थिति के कारण । अब कानून बना है कि यदि कोई अपना धर्म परिवर्तन करना चाहे तो उसे जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर से आज्ञा लेनी होगी । क्या यह संविधान में दिये गये धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध नहीं है ! धोखे से शादी करके बाद में धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य करना वास्तव में अपराध है परन्तु इसके लिए लडक़ी स्वयं कितनी जिम्मेदार है कि जिस लडक़े के प्यार में पागल होकर उससे शादी कर ली, उसकी बैक ग्राउण्ड के बारे में उसे कुछ नहीं मालूम । अनेक मुस्लिम लड़कियों ने भी हिन्दू लडक़ों से शादी की है और बाद में हिन्दू धर्म अपना लिया है । असल में तो सच्चे प्यार में धर्म बीच में आता ही नहीं । आप अपनी आस्था को मानें परन्तु ज्यादातर आज के लडक़े–लड़कियों का प्यार इंफैक्चुएशन है । इसके लिए मां–बाप को और सतर्क रहना चाहिए । प्यार और शादी के मामले शुद्धतः व्यक्तिगत हैं । इसमें सरकार की दखलंदाजी बहुत ज्यादा नहीं होनी चाहिए । हां यदि धोखा दिया जा रहा है तो जरूर सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए परन्तु प्रच्छन्न रूप से देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना देश की सर्व समावेशी सोच के विरुद्ध है और संविधान सम्मत नहीं है ।

छन्दय–मोड में श्रीलंका

डॉ. सुधीर सक्सेना

छन्दय यानि इलेक्शन 7 इलेक्शन यानि चुनाव । सिंहली– अंग्रेजी युग्म रचें तो होगा छन्दय–मोड। यानि हमारा समुद्रतटीय पड़ोसी राष्ट्र श्रीलंका इन दिनों छन्दय मोड में है। ज्यादा वक्त नहीं है। एक महिने बाद 21 सितंबर को करीब एक करोड़ 70 लाख मतदाता विषम परिस्थितियों से गुजर रहे द्वीप–राष्ट्र का नया राष्ट्रपति चुनेंगे !

बिसात बिछी है। पांसे फेंके जा चुके हैं। वातावरण आवेशित है। दुविधा है। संभ्रम है।ज्यादातर खिलाड़ी सुपरिचित हैं। यूं तो एक अनार के लिये बीमारों की संख्या 39 है, किंतु मुकाबले में मुख्यतः चार खिलाड़ी हैं। ये चार खिलाड़ी हैंः अनेक दलों का समर्थन प्राप्त, निवर्तमान राष्ट्रपति निर्दलीय प्रत्याशी रानिल विक्रमसिंघे, समागी जन बालवेगया के सजिथ प्रेमदासा, श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना के नमल राजपक्षे और जनता विमुक्ति पेरामुना के अनुरा कुमारा दिसानायके। इनमें पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके 75 वर्षीय रानिल वरिष्ठतम हैं, जबकि सन 2019 के चुनाव में असफल रहे सजिथ प्रेमदासा और अनुरा दिसानायके क्रमशः 57 और 55 वर्ष के हैं। श्रीलंका की राजनीति में सर्वाधिक प्रभावशाली रहे कुबेर–घराने के नमल की आयु 38 वर्ष है। गौरतलब है कि श्रीलंका? की राजनीति में राजपक्षे परिवार को स्वेच्छाचारी और एकाधिकारवादी घराने के तौर पर जाना जाता है। विगत संसदीय चुनाव में उसके पांच सदस्य जीते थे।

महिंदा राजपक्षे बने प्रधानमंत्री, अनुज त्रयी गोटबाया राष्ट्रपति, चमल सिंचाई मंत्री, बेसिल वित्तमंत्री और पुत्र नमल खेलमंत्री। सन 2022 में व्यापक जनाक्रोश राजपक्षे परिवार के खानदानी राज के पतन का कारण बना। यूँ तो रानिल सत्ताच्युत गोटबाया राजपक्षे की पसंद थे, लेकिन वक्त ने रानिल पर गोटबाया के भरोसे की चूलें हिला दी है। यही वजह है कि अविश्वास और आशंका के वशीभूत उन्होंने युवा नमल को मैदान में उतार दिया है। लंदन विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक नमल एसएलपीपी का पोस्टर ब्वॉय हैं। उनको मिले वोट इस बात का पैमाना होंगे कि अधिनायक–वृत्ति और स्वेच्छाचारिता के बावजूद श्रीलंकन राजपरिवार को कितना पसंद करते हैं? यह एक ऐसा यक्ष प्रश्न है, जिसका उत्तर 21 सितंबर से पहले नहीं मिल सकता। पिछले दो दशकों से श्रीलंका में सता की चाबी राजपक्षे परिवार के हाथों में है। सन 2004 में प्रेसीडेंट चंद्रिका कुमारतुंगा ने महिंदा को पहले–पहल पीएम बनाया था। उसके साल भर बाद महिंदा राष्ट्रपति बने और सन् 2015 तक पदासीन रहे। तीन साल बाद उनका सितारा फिर चमका और सन 2019 से 2022 तक वह फिर पीएम रहे। कोरोना काल के बाद सन 2022 उनके लिये अपशकुनी सिद्ध हुआ। अरागलिया विद्रोह ने राजपक्षे परिवार के पाँवों तले से जमीन खींच ली। एकबारगी लगा कि महिंदा पलायन को बाध्य होंगे, लेकिन कूचे से बेआबरू होकर निकलने की अटकलों–आशंकाओं के बीच उन्हें पूर्वोत्तर प्रांत के नौसैनिक अड्डे त्रिंकोमाली में मुकम्मल सुरक्षा मिल गयी। राजपक्षे घराना फौजी हिफाजत में तबसे वहीं रह रहा है।

श्रीलंका में चीन की रुचि और भारत की चौतरफा घेराबंदी की उसकी कोशिशें किसी से छिपी नहीं हैं। कुछ भी पहले हंबनटोटा बंदरगाह सुर्खीयों में था। चीन से राजपक्षे का मोह अभी भी कायम है। 27 जून, 2024 को महिंदा चीन की चार दिवसीय यात्रा पर गये। जाहिर तौर पर वह चीन के विदेश मंत्री वांग के न्यौते पर बीजिंग गये थे। मकसद था पंचशील की 70वीं वर्षगांठ पर समारोह में शिरकत। वहां वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग से मिले। तदंतर उनकी चीनी प्रधानमंत्री ली छियांग से ऋण पुनर्गठन मसौदे पर भी चर्चा हुई। कहना कठिन है कि महिंदा और चीनी नेताओं के बीच चुनाव और भावी राजनीति को लेकर क्या खिचड़ी पकी, लेकिन इस बाबत महिंदा की चुप्पी अटकलें उपजाती हैं।

अपने एकाधिक श्रीलंका प्रवास में मैंने पाया कि भारत और श्रीलंका के रिश्ते गर्भनाल सरीखे हैं। जातीय और सांस्कृतिक संदर्भ भारत–श्रीलंका मैत्री को दृढ़ आधार प्रदान करते हैं। भारत के लिये श्रीलंका का अतिरिक्त सामरिक महत्व भी है। भारत ने भयावह वित्तीय संकट? का सामना करने में कोलंबो की भरपूर मदद की है। सारे घटना पर भारत की पैनी निगाह है। यही वजह है कि भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने कोलंबो जाने पर महिंदा राजपक्षे से मुलाकात और चर्चा की। बात यहीं खत्म नहीं होती। चार फरवरी, 24 को जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके, वरिष्ठ एमपी विजिता हेरात, सचिव निहाल अबेसिंघे और कार्यकारी समिति के सदस्य प्रोफेसर अनिल जयंता दिल्ली आये तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर से मिले। अनुरा दिसानायके वामपंथी सोच के मुखर नायक हैं और इस छन्दय–द्वंद्व में चमकीली संभावना बनकर उभरे हैं। बहुत संभव कि वह कोलंबो की सत्ता की दिलचस्प और पेचीदा लड़ाई में दिल्ली की परोक्ष पसंद बनकर उभरें। अनुरा राजधानी कोलंबो से सांसद हैं और भ्रष्टाचार–विरोधी मुहीम के पुरोधा भी। केलानिया विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक अनुरा एक श्रमिक के बेटे हैं और सन 2015–18 में मैत्रीपाल सिरिसेना के काल में मुख्य विपक्षी सचेतक रहे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से रिश्तों को लेकर उनका रुख रानिल से सर्वथा भिन्न है। जहां तक रानिल का प्रश्न है, उनकी चमक और खनक अब पहले जैसी नहीं रही। एक तो उनकी छवि राजपक्षे–कुनबे के पिछलग्गू की है, दूसरे मितव्ययिता के सख्त उपायों ने उनके लिए अलोकप्रियता का सामान जुटाया है। बहरहाल, लड़ाई रोचक है; श्रीलंका के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण और भारत तथा हिन्द महासागरीय क्षेत्र के लिए बहुत मानीखेज़। बड़ी बात यह है कि इस चुनाव में श्रीलंका की युवा–शक्ति और सोशल मीडिया निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

कल्कि 2898 एडी का दबदबा कायम, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिला दूसरा स्थान

27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी 22 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स पर जारी की गई। कल्कि 2898 एडी के बहुप्रतीक्षित डिजिटल डेब्यू को ओटीटी दर्शकों ने शानदार समीक्षा दी है।

कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, दिशा पाटनी के अलावा भी कई अभिनेताओं ने अहम भूमिका निभाई है। कल्कि 2898 एडी एक बार फिर से सुर्खियों में है। फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा चुका है और प्रशंसकों को यह फिल्म बेहद पसंद भी आ रही है।

फिल्म कल्कि 2898 एडी साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। अगर आप किसी कारण से थियेटर्स में इसे नहीं देख पाए हैं, तो अब इसे आप ओटीटी पर देख सकते हैं। बता दें यह फिल्म ओटीटी पर 22 अगस्त को ही जारी की जा चुकी है। कल्कि 2898 एडी ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ जैसी कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। जबकि फिल्म का हिंदी वर्जन उसी दिन नेटफ्लिक्स पर जारी किया गया था। बता दें नेटफ्लिक्स पर अपने पहले वीकेंड में कल्कि 2898 एडी का हिंदी वर्जन रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म ने दस गैर–अंग्रेजी फिल्मों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। कल्कि 2898 एडी की यह उपलब्धि 19–25 अगस्त, 2024 की है।कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में भी रिलीज के बाद प्रशंसकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। अब जब फिल्म कल्कि 2898 एडी ओटीटी पर रिलीज हुई है तो इसे ओटीटी पर अभीतक 4.5 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। प्रशंसक इस हफ्ते फिल्म को टॉप पर देखने की उम्मीद कर रहे हैं। यानी थियेटर रिलीज के लगभग दो महीने बाद ओटीटी पर रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी को अब आप ओटीटी पर आसानी से घर बैठे देख सकते हैं।

विनेश फोगाट ने स्वर्ण मंदिर में शक्ति, साहस के लिए प्रार्थना की

अमृतसर, ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट, जिन्हें पेरिस खेलों में 50 किग्रा के फाइनल मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, ने शुक्रवार को स्वर्ण मंदिर के नाम से मशहूर सिखों के सबसे पवित्र स्थल हरमंदिर साहिब का दौरा किया और कहा कि उन्होंने ताकत और साहस के लिए प्रार्थना की।

पूजा–अर्चना के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि यहां आकर उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, मैं एक सकारात्मक ऊर्जा महसूस कर रही हूं। मैंने वाहेगुरु से मुझे शक्ति और साहस देने की प्रार्थना की। हमारे सभी प्रियजन स्वस्थ रहें, हमारा देश सुरक्षित रहे और प्रगति करता रहे। मैंने वाहेगुरु से हमारा मार्गदर्शन करने और मानवता के लिए सही दिशा में काम करने में मदद करने का आशीर्वाद मांगा है।

आंद्रे अगासी पिकलबॉल टूर और लीग को हरी झंडी दिखाने के लिए भारत आएंगे

नई दिल्ली, आठ बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी जनवरी 2025 में पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाने के लिए भारत आने वाले हैं, जो एक भव्य टूर है और भारत में प्रतिस्पर्धी पिकलबॉल का रोमांच लाएगा।

इंडियन टूर एंड लीग पिकलबॉल वर्ल्ड रैंकिंग (पीडब्लूआर) के साथ–साथ पीडब्लूआर वर्ल्ड टूर और पीडब्लूआर वर्ल्ड सीरीज द्वारा घोषित नई रैंकिंग संरचना की हालिया घोषणा का अनुसरण करता है।

चार ऑस्ट्रेलियन ओपन, एक फ्रेंच ओपन, एक विंबलडन और दो यूएस ओपन सहित आठ ग्रैंड स्लैम एकल खिताब के साथ अपने शानदार टेनिस करियर के लिए माने जाने वाले अगासी ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इस उद्यम का हिस्सा बनने के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया।

अपने भारतीय प्रशंसकों के लिए एक विशेष वीडियो संदेश में, अगासी ने कहा, मैं भारत का दौरा करने और इसके प्रशंसकों के लिए पिकलबॉल का उत्साह लाने के लिए उत्साहित हूं। मैं पीडब्लूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग का इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह देश में एक बड़ी सफलता होगी।

अगासी की आगामी यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, पीडब्लूआर के सीईओ और संस्थापक, प्रणव कोहली ने कहा, आंद्रे अगासी का भारत में स्वागत करते हुए हम बिल्कुल रोमांचित हैं क्योंकि वह पीडब्लूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाने भारत आएंगे। उनकी भागीदारी हमारे प्रयासों को जबरदस्त बढ़ावा देती है। भारत और विश्व स्तर पर पिकलबॉल को बढ़ावा देना। खेल के प्रति अगासी का जुनून और खेल की दुनिया में उनकी महान स्थिति निश्चित रूप से खिलाड़ियों और प्रशंसकों को समान रूप से प्रेरित करेगी, और हमें विश्वास है कि यह लीग भारत में पिकलबॉल के लिए नए मानक स्थापित करेगी।

सलमान खान और अग्नि का गाना यू आर माइन का टीजर रिलीज

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर तो सुर्खियों में बने ही रहते हैं. साथ ही उनको पेंटिंग और सिंगिंग का भी काफी शौक है. सलमान खान के गाने की झलक तो आप पहले ही देख चुके हैं, कुछ वक्त पहले सलमान ने अपने हाथ की कलाकारी की झलक भी पेंटिंग में दिखाई थी. अब सलमान खान और उनके भांजे अग्नि के एक गाने ह्यू आर माइनह्ल का टीजर वीडियो जारी किया गया है. यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि गाने में सलमान खान पहली बार अपने भांजे अग्नि अग्निहोत्री के साथ नजर आने वाले हैं.सलमान खान ने हाल ही में ह्यू आर माइनह्ल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भाईजान को उनके भांजे अग्नि के साथ मस्ती करते हुए दिखाया गया है. क्लिप में देखा जा सकता है कि सलमान खान पेंटिंग में बिजी हैं, तभी अग्नि उनके पास आते हैं और मस्ती में उनके आर्टवर्क के बारे में सवाल पूछते हैं. वीडियो देखने से पता चलता है कि सलमान और अग्नि की जोड़ी एक रोमांचक प्रोजेक्ट लेकर आ रही है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ हैं. सलमान ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया है.सलमान खान का यह वीडियो एक मस्ती भरी बातचीत पर आधारित है, जिसमें अग्नि की रैपिंग और सलमान के हल्के–फुल्के कॉमेंट्स हैं, जो कि देखने में काफी दिलचस्प है. ह्यू आर माइनह्ल गाने में सलमान खान ने अपनी आवाज दी है और अग्नि ने इसमें रैप किया है. इस गाने के बोल संजीव चतुर्वेदी के साथ मिलकर सलमान खान ने लिखे हैं. गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है. बता दें ति अग्नि ने कुछ वक्त पहले अपना एक और गाना और म्यूजिक वीडियो पार्टी फीवर रिलीज किया था.

देवरा पार्ट 1 का काउंटडाउन शुरू

जूनियर एटीआर की आगामी फिल्म देवराः पार्टी 1 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. मेकर्स ने रिलीज से ठीक एक महीने पहले फिल्म का काउंटडाउन पोस्टर लॉन्च किया है. पोस्टर में जूनियर एटीआर का नया अवतार दिखाया गया है.

देवरा पार्ट 1 के मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है. पोस्टर में जूनियर एनटीआर का डबल रोल देखा जा सकता है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक महीने में, उनका आगमन दुनिया को एक अविस्मरणीय बड़े पर्दे के अनुभव से झकझोर देगा. आइए 27 सितंबर को सिनेमाघरों में उनके मैजेस्टिक मैडनेस का अनुभव करें.

मोहन बागान की निगाहें पहली बार फाइनलिस्ट नॉर्थईस्ट युनाइटेड के खिलाफ रिकॉर्ड 18वां खिताब जीतने पर

कोलकाता, एक रोमांचक और गहन प्रतियोगिता के महीने के बाद, प्रतिष्ठित डूरंड कप अपने चरम पर पहुंच गया है। इस प्रतियोगिता के 133वें संस्करण में, ग्रैंड फिनाले में मोहन बागान एसजी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी चैंपियन बनने के लिए आमने–सामने होंगे। भारत भर के फुटबॉल प्रशंसक उत्सुकता से इस हाई–स्टेक मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं, जो शनिवार, 31 अगस्त को शाम 5:30 बजे कोलकाता के विवेकानन्द युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन, मोहन बागान एसजी, शनिवार को अंतिम मुकाबले में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए तैयार है। रिकॉर्ड 17 बार के डूरंड कप चैंपियन के रूप में, वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे अधिक डूरंड कप खिताब जीतने वाली टीम के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए अपने 18वें खिताब का लक्ष्य बना रहे हैं। मेरिनर्स ने ग्रुप चरण में अपना दबदबा बनाए रखा और सात गोल करके अपने सभी मैच जीते और एक भी गोल नहीं खाया, जिससे उनका लचीलापन और प्रभुत्व दिखा। वे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए, जहां उनका सामना एक रोमांचक मैच में पंजाब एफसी से हुआ, जो निर्धारित समय में 3–3 से बराबरी पर समाप्त हुआ और बागान ने पेनल्टी शूट आउट में जीत हासिल की। सेमीफाइनल में, सामान्य समय में रोमांचक मुकाबला 2–2 से ड्रा रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में विशाल कैथ की वीरता ने कोलकाता के दिग्गजों को लगातार दूसरे डूरंड कप फाइनल में जगह दिला दी।

एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी नहीं भरा गया गड्ढा

● पांच जुलाई को सड़क धंसने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना था गड्ढा ● झंडाचौक व निगम के मध्य बने गड्ढे से बना है जान का खतरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सरकारी सिस्टम जन समस्याओं को लेकर कितना लापरवाह है इसका अंदाजा झंडाचौक व नगर निगम के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने गड्ढे को देखकर लगाया जा सकता है। एक माह से अधिक का समय बीत चुका है। लेकिन, अब तक सरकारी सिस्टम ने इन गड्ढे की मरम्मत की सुध तक नहीं ली। नतीजा, आए दिन दोपहिया वाहन चालक गड्ढे की चपेट में आने से चोटिल हो रहे हैं। यह गड्ढा कब किसकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

पांच जुलाई को हुई बारिश से राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क धंस कर बड़ा गढ्ढा बन गया था। हाईवे पर बने इस गड्ढे के नीचे से बरसाती नाला भी गुजर रहा है। ऐसे में कोई दुर्घटना न हो इसके आसपास पत्थर खड़े कर इसकी सूचना नगर निगम व राजमार्ग विभाग को दी गई। लेकिन, एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग के गड्ढे को भरने की सुध नहीं ली गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त गड्ढे के नीचे बरसाती नाला बह रहा है, जो हल्की बारिश होने पर ही तेज वेग से बहने लगता है। ऐसे में यदि कोई बच्चा या बुजुर्ग गड्ढे की चपेट में आ गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। सरकारी सिस्टम को जल्द से जल्द गड्ढे की मरम्मत करवानी चाहिए। वहीं, दो दिन पूर्व एक मोटर साइकिल सवार भी गड्ढे में गिरने से बाल-बाल बच गया।

कोटद्वार में झंडाचौक से नगर निगम कार्यालय की ओर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना गड्ढा

प्रदेश में बिगड़ रही कानून व्यवस्था, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रदेश में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था पर जिला कांग्रेस कमेटी ने रोष व्यक्त किया है। कांग्रेसियों ने सरकार का पुतला दहन करते हुए कानून व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग उठाई। कहा कि अपराध के मामले में उत्तराखंड नंबर एक स्थान पर आता जा रहा है। कहा कि देवभूमि में अपराध किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शुक्रवार कांग्रेसियों ने तहसील तिराहे के समीप प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। इसके उपरांत जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में सदस्यों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। बताया कि महिला अपराधों के मामले में उत्तराखंड पहले पायदान में पहुंच चुका है। उत्तराखंड की बेटियां आज न्याय के लिए भटक रही है। जनता की मांग के बाद भी सरकार ने वनंतरा मामले की सीबीआई जांच नहीं करवाई। आये दिन महिला व बेटियों के साथ छेड़छाड़ सहित अन्य घटनाएं सामने आ रही हैं।

कहा कि प्रदेश में सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। कई शहरों में महिलाओं का शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस ने राष्ट्रपति से प्रदेश सरकार को व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश देने की मांग की है।

इस मौके पर रमेश चंद्र खंतवाल, प्रवेश रावत, महावीर सिंह नेगी, गोपाल सिंह गुसाईं, प्रदीप नेगी, धर्मपाल सिंह, सत्येंद्र सिंह, गब्बर सिंह, जावेद अली, श्रीधर प्रसाद केष्टवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एससीएसटी शिक्षक एसोसिएशन के सभी जिलों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्रियों की शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। जिसमे प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती की नियमावली को शिक्षकों के हितों के विरुद्ध बताते हुए इसका विरोध किया गया।

इस मौके पर प्रदेश सरकार से भर्ती प्रक्रिया को रोककर पूर्व की तरह शत-प्रतिशत पदों को पदोन्नति से भरने की मांग की गई।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार टम्टा की अध्यक्षता में हुई बैठक में वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने 31 अगस्त तक प्रधानाचार्य सीधी भर्ती नियमावली को निरस्त नहीं किया तो एससीएसटी शिक्षक एसोसिएशन एक सितंबर से सीधी भर्ती परीक्षा के विरोध में काला फीता बांधकर विद्यालय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन करेगी।

पांच सितंबर को एक बार फिर बैठक कर प्राथमिक, जूनियर एवं अशासकीय शिक्षकों के साथ मिलकर चोक डाउन और धरना-प्रदर्शन का फैसला लिया जाएगा। बैठक में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के विकल्प के रूप में यूनिफाइड पेंशन स्कीम को शिक्षक कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध बताते हुए ओपीएस के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया गया। कहा कि एसोसिएशन राष्ट्रीय स्तर पर पुरानी पेंशन बहाली मंच के साथ मिलकर शिक्षक कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्ष करेगा। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष डीआर बाराकोटी, सुनीता आर्या, प्रांतीय संगठन मंत्री विजय बैरवाण, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष अनूप कुमार पाठक, महामंत्री एमआर मौर्य सहित सभी 13 जनपदों के जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री मौजूद रहे। बैठक का संचालन प्रांतीय महामंत्री महेंद्र प्रकाश ने किया।

युवाओं को आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

महाविद्यालय में आयोजित युवा संसद में अपने विचार व्यक्त करती छात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर स्थित राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में युवा संसद का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शुक्रवार को महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत व प्रकाश चंद्र कोठारी ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य तय कर उसे पाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। युवाओं ने संसद के प्रश्नकाल, शून्य काल एवं विधेयक पर भी चर्चा व मंथन किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संविधान के बारे में भी बताया। प्राचार्य डा. विजय कुमार अग्रवाल ने संसद व उसके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. कविता अहलावत ने युवा संसद की पूरी प्रक्रिया व युवा संसद के विद्यार्थियों का परिचय करवाया। इस मौके पर अशोक कुमार मित्तल, डा. दिवाकर बौद्ध, विनय देवलाल, डा. ऊषा सिंह, अंजु खंतवाल, दीप्ति मैठाणी, गिरीश चंद्र, कुसुम देवी, जयदीप, शैलेश घनसेला, बलवंत सिंह नेगी, भारत सिंह बिष्ट, डा. किशोर कुमार, आशीष कुमार, आशुतोष रावत, अजय रावत, शिवम डोबरियाल, सागर कंडवाल, मंजीत थपलियाल आदि मौजूद रहे।

बोक्सा जनजाति को दें सरकारी योजना की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) को लेकर डीएम ने शुक्रवार को मुख्यालय में अफसरों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि बोक्सा जनजाति के लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिए जाने के लिए 10 सितंबर तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने बैठक में कहा कि नगर निगम कोटद्वार के वार्ड शिवराजपुर, हल्दूखाता मल्ला, जशोधरपुर, लच्छमपुर व लुथापुर में कुल 1175 बोक्सा जनजाति समुदाय के लोग रह रहे हैं। इन लोगों को विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए डीएम ने परियोजना निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय को नोडल अफसर भी नामित किया। साथ ही नगर आयुक्त कोटद्वार को निर्देश दिए कि पांच वार्डों की आंतरिक सड़कों के सुदृढ़ीकरण के साथ ही खराब स्ट्रीट लाइटों को बदला जाए और सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण संबंधी कामों को 10 सितंबर तक पूरा किया जाए। जबकि स्वास्थ्य विभाग को इस क्षेत्र में टीबी के मरीजों की स्क्रीनिंग, आभा आईडी, आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही डेंगू नियंत्रण संबंधी कामों को पूरा करने के लिए कहा गया। पूर्ति महकमा उज्ज्वला गैस योजना के तहत आने वाले पात्र लाभार्थियों का चिन्हीकरण करते हुए गैस कनेक्शन दे। डीएम ने इस क्षेत्र में आधार कार्ड बनवाने, पीएम जनधन योजना का लाभ दिए जाने साथ ही समाज कल्याण को पेंशन योजनाओं तो राजस्व को आय व जाति प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रशिक्षु आएएस दीक्षिता जोशी, डीडीओ मनविन्दर कौर, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार, डीएचओ राजेश तिवारी, एलडीएम प्रताप सिंह, बाल विकास अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, डीएसओ अरूण कुमार वर्मा सहित अन्य अफसर मौजूद रहे।

।। कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) ।।

पत्रांक :- 1666/कर अनु0/भव0ना0/2024-25 दिनांक :- 29.08.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा नगर निगम कोटद्वार के भवन कर अभिलेखों पूर्व भवन स्वामी के स्थान पर अपना नाम दर्ज करने हेतु स्वामित्व प्रमाण पत्रों एवं शपथ पत्र आदि के आधार पर आवेदन किया गया है।

अतः नगर निगम अधिनियम-1959 की धारा 213(ख) के अन्तर्गत समस्त प्रभावित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को निम्न नामान्तरण/नामान्तरणों पर आपत्ति हो वह मय साक्ष्यों को उपरोक्त सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। मियाद समाप्त होने पर उपलब्ध अभिलेखिया साक्ष्यों के आधार पर सम्पत्ति के नामान्तरण हेतु निर्णय पारित कर लिये जावेंगें।

क्र0 सं0	सम्पत्ति संख्या एवं मौहल्ले/वार्ड का नाम	भवन कर अभिलेखों में दर्ज नाम (नाम जो निरस्त होना है)	आवेदक का नाम व पता (नाम जो दर्ज होना है)	सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने का आधार
1	2	3	4	5
1	688 जौनपुर वार्ड-12	श्री मान सिंह बिष्ट पुत्र रघुवीर सिंह बिष्ट	श्री शशिपाल सिंह पुत्र मान सिंह बिष्ट	उत्तरजीवी प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री एवं शपथ पत्र

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।
(0407/51)

गुडिंडा में एक माह से नहीं मिल रहा डीजल व पेट्रोल

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : विकासखंड बीरोंखाल के गुडिंडा डीजल पंप पर एक महीने से पेट्रोल-डीजल नहीं मिल रहा है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। लोग रामनगर, कोटद्वार, पौड़ी से डीजल, पेट्रोल मंगाकर काम चला रहे हैं। वाहन चालकों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पंप पर डीजल, पेट्रोल उपलब्ध नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। जय कालिका मां टैक्सी-मैक्सी यूनियन अध्यक्ष संजय धोलाखंडी, अभिषेक नेगी, जेटी सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, तेजपाल सिंह आदि का कहना हैं कि गुडिंडा डीजल पंप पर एक माह से डीजल-पेट्रोल नही मिलने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। वह अपने वाहनों को चलाने के लिए एक सौ पचास किलोमीटर दूर पौड़ी, रामनगर, कोटद्वार से डीजल-पेट्रोल मंगवा कर काम चला रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यहां क्षेत्र का एक मात्र डीजल पंप इस पर डीजल-पेट्रोल नही मिलने से बीरोंखाल, बैजरों, थलीसैंण घुमने आ रहे पर्यटकों सहित आम लोगों भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीरोंखाल की सहायक खाद्य निरीक्षक शशिकला रावत ने बताया कि गुडिंडा डीजल पंप संचालक बीमार हैं और उन्होंने केवाईसी नहीं कराई गई हैं। इससे लेनदेन करने में दिक्कत हो रही है। पंप संचालक को शीघ्र पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, लैन्सडौन (गढ़वाल)।

E Mail ID:-eepwdlansdowne@gmail.com, & eepwdlansdowne@rediffmail.com, Phone/Fax : (01386) 262260

पत्रांक सं0 2087 /21 एम0जी0 दि0 30-8-24

ई - निविदा सूचना

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0, लो0नि0वि0 लैन्सडौन द्वारा निम्न मोटर मार्ग हेतु ई0 - टेण्डरिंग द्वारा (सिंगल बिड) के अन्तर्गत आमंत्रित की जाती है, निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनाएं http://www.uktender.gov.in पर दि0 03.09.2024 से उपलब्ध होगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (व्यापार कर अतिरिक्त)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदारों की पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के विकासखण्ड द्वारीखाल के अन्तर्गत मस्ट से कलसी ग्राम को जोड़ते हुये उपग्राम चोपडा तक विस्तार के अन्तर्गत मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य। (किमी0 1 चै0सं0 0.000 से 0.8000 तक)	0.75	2000.00 +18%GST	6 माह	90 दिन	मार्ग कार्य में पंजीकृत श्रेणी डी एवं उच्चतर

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0,
लैन्सडौन
(0408/61)

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 3557/18ए0सी0 दिनांकः- 29/08/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 06/09/2024 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 31/08/2024 से 05/09/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 06/09/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत नालीखाल-पोखरीखेत मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 7 में पैच मरम्मत का कार्य।	30,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के कि0मी0 13 से 16 में पैच मरम्मत का कार्य।	14,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के कि0मी0 17 से 37 में पैच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत निम्न मोटर मार्गों में पैच मरम्मत का कार्य। (क)-सिद्धबली-कुम्भीचौड मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 4 (ख)-सनेह-कुम्भीचौड़ मोटर मार्ग कि0मी0 1 से 4 (ग)-हॉटीकल्चर से खड़ी नहर मोटर मार्ग कि0मी0 1 से 3 (घ)-लालपानी मुख्य मार्ग से गुरूरामराय शहीद स्मारक मोटर मार्ग	36,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पदमपुर-सिम्मलचौड़ मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 3.00 कि0मी0)	14,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सुखरौ-घराट-देवीमन्दिर मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 1.90 कि0मी0)	9,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत बांसी-बोरगांव-गजवाड़ मोटर में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 5.50 कि0मी0)	25,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत मेरठ-पौड़ी राज्य मार्ग के कि0मी0 138 से लालपुर-कलालघाटी-नयाबाद मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 3 में पैच मरम्मत का कार्य।	36,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत हल्दूखाता-कण्वाश्रम मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 3 में पैच मरम्मत का कार्य।	9,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
10	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत कौडिया-किमसार मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य।	24,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
11	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत नालीखाल-बनचुरी-नैल-कपोलकाटल मोटर मार्ग कि0मी0 37 से 43 एवं कि0मी0 61 से 62 में पैच मरम्मत का कार्य।	66,000.00	2000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
12	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी (एस0एच0 9) मोटर मार्ग के कि0मी0 61 से 76 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
13	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत निम्न मोटर मार्गों का पैच मरम्मत कार्यः-(क) ढौंटियाल-चपड़ेत-बसड़ा मोटर मार्ग के 17 से 18 में पैच मरम्मत का कार्य। (ख) बसड़ा-बरई-रथुवाढाब मोटर मार्ग के कि0मी0 7 से 8 में पैच मरम्मत का कार्य।	21,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
14	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत काण्डाखाल-चैलूसैण मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 15 में पैच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
15	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत किशनपुर-झण्डीचौड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 2 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
16	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत मदनपुर डाडामण्डी सनेयाखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 5 में पैच मरम्मत का कार्य।	30,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
17	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पीपलकोटी से नीलकण्ठ मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 5 में पैच मरम्मत का कार्य।	36,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
18	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत झण्डीचौड़ पूर्वी से पंचायत घर से जनपद बिजनौर सीमा से हल्दूखाता मोटर मार्ग के कि0 मी0 1 से 2 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
19	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत किशनपुरी झण्डीचौड़ मोटर मार्ग पर स्थित पंचायत घर से अवतार सिंह के मकान से हरपाल सिंह के मकान तक पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
20	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र-लैन्सडाऊन के विकासखण्ड नैनीडांडा-के अन्तर्गत हल्दूखाता से बवाणी तक मोटर मार्ग का नवनिर्माण कार्य (द्वितीय चरण स्टेज-I) के अन्तर्गत कि0मी0 1 में पहाड़ कटान मलवा डिस्पोजल का कार्य। (चैनेज 0.000 से 0.500)	35,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	06 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 07/09/2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा
(0406/57)

एक नजर

नशा मुक्ति अभियान के तहत मैराथन दौड़ आज

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 31 अगस्त को 14 किलोमीटर की हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने सभी संबंधित विभागों को हॉफ मैराथन दौड़ के सफल आयोजन हेतु पूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। नशा मुक्ति अभियान के तहत शनिवार को सुबह 7 से 9 बजे तक गोपेश्वर-घिघराण मोटर मार्ग पर 14 किलोमीटर मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी। मैराथन दौड़ में जिले के अधिकारी, कर्मचारियों सहित 150 से अधिक नागरिक रजिस्ट्रेशन कर चुके है। इसमें शामिल होने के लिए 13 से 62 साल तक के कोई भी नागरिक रजिस्ट्रेशन करा सकते है। मैराथन दौड़ के सफल संचालन हेतु मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को ट्रैफिक मैनेजमेंट, चिकित्सा, आवागमन मार्ग पर सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

तहसील दिवस तीन सितंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आम जनमानस की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करने के लिए आगामी 03 सितंबर को नारायणबगड में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में 03 सितंबर, प्रथम मंगलवार को विकासखंड नारायणबगड के सभागार में 11 बजे से 2 बजे तक तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से तहसील दिवस में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए है।

दुर्गा सिंह टैक्सी यूनियन अध्यक्ष बनें

उत्तरकाशी : मोरी टैक्सी यूनियन की एक आवश्यक बैठक हुई। जिसमें दुर्गा सिंह चौहान को सर्व सहमति से पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। उपाध्यक्ष महिपाल भारती व कोषाध्यक्ष मुकेश चौधरी को चुना गया। दुर्गा सिंह चौहान गत 16 सालों से हरकीदून वैली टैक्सी मैक्स यूनियन मोरी में अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। मोरी हरकीदून टैक्सी यूनियन के पास वर्तमान में 150 से अधिक वाहन पंजीकरण है। बैठक में विरेन्द्र सिंह, देशराज, देवेंद्र सिंह, मोहन राणा आदि थे। (एजेंसी)

राजभवन में हुआ नए आपराधिक कानूनों के संबंध में सेमिनार का आयोजन

देहरादून। शुक्रवार को राजभवन में नए आपराधिक कानूनों के संबंध में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में तीन नए कानूनों, भारतीय न्याय संहिता–2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम–2023 के बारे विधि परामर्शी श्री राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, प्रति–कुलपति उत्तरांचल विश्वविद्यालय प्रो. राजेश बहुगुणा और अभियोजन अधिकारी श्री जावेद अहमद ने प्रस्तुतीकरण दिए। वक्ताओं ने नए कानूनों की आवश्यकता और प्रभाव, आपराधिक कानूनों की बुनियादी अवधारणा और उसका विकास, आपराधिक कानूनों में बुनियादी परिवर्तन आदि के बारे में जानकारी दी।

सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि सदियों से चले आ रहे विभिन्न पुराने और गैर जरूरी कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थिति के अनुसार नए आपराधिक कानूनों को लागू किया जाना ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा नए कानून न्याय की अवधारणा को और मजबूत करेंगे और न्याय मिलने की प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाने में पुलिस और न्यायालयों की वृहद स्तर पर मदद करेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय आत्मा से बने ये तीनों कानून हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में बहुत बड़ा बदलाव लाएंगे। अब हमारी न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी होगी जो भारत द्वारा, भारत के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार संचालित होगी।

ये कानून गुलामी की मानसिकता को मिटाने की प्रतिबद्धता को दर्शाते है। उन्होंने कहा कि नई न्याय प्रणाली सभी को पारदर्शी और त्वरित न्याय देने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। नए कानून न्याय, समानता और निष्पक्षता के मूल सिद्धांतों के आधार पर लाए गए हैं साथ ही इनमें फोरेंसिक साइंस को बहुत महत्व दिया गया है।

अब तीसरे मुख्यमंत्री ने की जांच कमेटी बनाने की मांग

देहरादून। विधानसभा सत्र के दौरान निर्दलीय विधायक के 500 करोड़ में सरकार गिराने का बयान लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत के बाद अब हरीश रावत ने भी मामले में विधानसभा अध्यक्ष के उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर जांच कराए जाने की मांग की है। शुक्रवार को सोशल मीडिया में जारी एक बयान में पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने विस में बयान देने वाले निर्दलीय विधायक को 'अनुभवी सुपारी किलर का नाम दिया है।

उन्होंने कहा कि सुपारी किलर के रहस्योद्घाटन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की टिप्पणी के बाद अब दो पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. निशंक और त्रिवेंद्र उस षड्यंत्र की आग जहां जल रही है, उसके निकट तक पहुंच चुके हैं। उनको सिर्फ इंतजार है विधानसभा अध्यक्ष के इस मामले में एक्शन लेने का।

रोडवेज कर्मचारियों ने पीएफ कार्यालय पर किया प्रदर्शन

देहरादून। राज्य पथ परिवहन निगम कर्मचारी यूनियन ने शुक्रवार को क्षेत्रीय भविष्य निधि कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया।

आक्रोशित कर्मचारियों ने रोडवेज के संविदा ड्राइवर–कंडक्टरों के खातों में भविष्य निधि (पीएफ) अंशदान जमा करने की मांग की है। चेताया कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यूनियन से जुड़े कर्मचारी सीटू के बैनर तले जीएमएस रोड स्थित भविष्य निधि कार्यालय पर पहुंचे। यहां प्रदर्शन के बाद धरना शुरू किया। वक्ताओं ने कहा कि यूनियन संविदा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कई सालों से संघर्षरत है। यूनियन के संघर्ष के परिणाम स्वरूप रोडवेज में संविदा कर्मचारियों को भविष्य निधि का लाभ मिला है। कहा कि वर्ष 2021 में भविष्य निधि कार्यालय की ओर से रोडवेज से एक करोड़ 21 लाख रुपये की राशि की वसूली की गई, लेकिन यह पैसा आज तक भी संविदा ड्राइवर–कंडक्टरों के खातों में जमा नहीं हुआ। जिस कारण सेवारत कर्मचारियों के साथ ही रिटायर कर्मचारी और मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को भविष्य निधि के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है।

उन्होंने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त से वसूल की गई राशि को जल्द ही कर्मचारियों के खाते में जमा करने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में सीटू के प्रांतीय महामंत्री महेंद्र जखमोला, यूनियन के प्रांतीय महामंत्री दयाकृष्ण पाठक, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, लीला बोरा, देवेंद्र सती, सतीश कुमार, राजीव कुमार, विजय सिंह बड़थ्वाल, शिव शंकर सिंह, आदेश कुमार, अरुण कुमार, विरेंद्र प्रसाद, भैरव सिंह, विमल प्रसाद, विजय सिंह, नीरज शर्मा आदि मौजूद रहे।

कल्जीखाल के डांगी गांव में गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

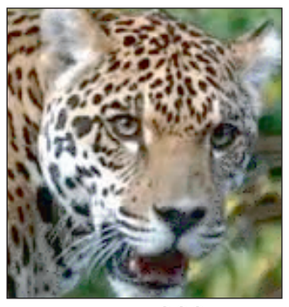

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के डांगी गांव में इन दिनों गुलदार और भालू का भय बना हुआ है। जिससे गांव के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चों व अभिभावकों में भी भय का माहौल बना हुआ है। अभिभावक अपने बच्चों को खुद ही स्कूल छोड़ने व घर लाने के लिए जा रहे हैं। जिससे अभिभावकों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। पूर्व पीटीए अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने बताया कि गांव में इन दिनों गुलदार व भालू का आतंक बना हुआ है। कहा कि सुबह ही जानवर गांव व स्कूल के आस पास दिखाई दे रहे हैं। स्कूल गांव से करीब तीन किमी की दूरी पर स्थित है। ऐसे में रास्ते में जानवरों का दिखाई देना आम बात हो गई है। कहा कि स्कूल में डांगी और थनूल गांव के बच्चे ही अध्ययनरत हैं। भालू भी अपने शावकों के साथ इन दिनों डांगी गांव में दिखाई दे रहा है। ऐसे में अभिभावकों व बच्चों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग उठाई है।

200 लोगों ने उठाया चिकित्सा शिविर का लाभ

ऋषिकेश। हिमालयन अस्पताल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड के साथ मिलकर निशुल्क आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाया। जिसमें 200 से अधिक लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श व जांच का लाभ उठाया। शुक्रवार को सीएचसी नारसन में आयोजित निशुल्क आयुष्मान आरोग्य जांच शिविर का शुभारंभ एचआईएमएस के प्राचार्य डॉ. ऐके देवरारी ने किया। उनके दिशा निर्देशन में कम्यूनिटी मेडिसिन से डॉ. सुरभि मिश्रा, जनरल मेडिसिन विभाग से डॉ. शिवम सेठी, बाल रोग विभाग से डॉ. सविता पाण्डे, मनोरोग से डॉ. अंशु प्रसाद ने स्वास्थ्य शिविर में आए करीब 200 से ज्यादा रोगियों की जांच कर स्वास्थ्य परामर्श दिया।

जर्मनी में वासुदेव कुटुंबकम का संदेश देंगे ऋषिकेश के छात्र

ऋषिकेश। डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल ऋषिकेश के बच्चे जर्मनी में होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्कोरामीट 2024 में शिरकत करेंगे। इसके जरिए छात्र वहां वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव सहगल ने बताया कि 31 अगस्त से जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय स्कोरामीट 2024 का आयोजन हो रहा है। पूरे विश्व में शांति एवं सद्भावना स्थापित करने के उद्देश्य के साथ पहली बार इस स्कोरामीट का आयोजन जर्मनी में किया जा रहा है, जिसमें ऋषिकेश, सोनीपत, जयपुर, सीकर आदि स्कूलों के 100 विद्यार्थी शिरकत करेंगे। इसमें विद्यालय के 12 छात्र–छात्राएं भी शिरकत करेंगे। जिसके लिए उन्होंने रवाना कर दिया गया है। इस स्कोरामीट के पश्चात छात्र–छात्राएं तीन अन्य यूरोपीय देशों के दौरे पर भी रवाना होंगे और 16 सितंबर 2024 को वापस लौटेंगे।

उत्तराखंड में 6350 जल स्रोत जल्द होंगे पुनर्जीवित

देहरादून। उत्तराखंड में 6350 जल स्रोत जल्द पुनर्जीवित होंगे। इनके संरक्षण का लगभग 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित स्प्रिंग एंड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण (सारा)की 11वीं बैठक में अफसरों ने यह जानकारी दी। सारा के तहत उत्तराखंड में गांवस्तर पर 5421 चाल, खाल, विकासखंडों में 929 त्रिटिकल सूख रहे जल स्रोत, एवं जिलास्तर पर 292 सहायक नदियों व धाराओं के संरक्षण का काम चल रहा है। इसके तहत 2.51 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी रिचार्ज करने का लक्ष्य रखा है, जिसके सापेक्ष अब तक 2.38 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी को रिचार्ज कर लिया गया है।अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी जिलाधिकारियों को प्राकृतिक जल स्रोतों, नौलों–धारो और नदियों के संरक्षण एवं उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए बेहतर एवं प्रभावी कार्य योजनाएं बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए। कहा कि सभी जिले एवं विभाग बेस्ट प्रैक्टिस अपनाते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए लघु एवं दीर्घ कालीन नीतियों पर कार्य करें।उन्होंने कहा कि चिन्हित किए गए जल स्रोतों एवं नदियों का जिओ – हइड्रोलॉजिकल अध्ययन करवा कर उसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अमृत सरोवर के ग्राउंड वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए। कहा कि सारा से संबंधित कार्य योजनाओं में किसी तरह की दिक्कत आने पर तुरंत शासन में संबंधित विभाग को अवगत कराया जाए।सारा की अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीना ग्रेवाल ने बताया कि 6350 जल स्रोतों के संरक्षण के तहत इन सभी स्थानों पर वृक्षारोपण, चेक डेम, चाल–खाल, संग्रहण क्षेत्र का चिन्हीकरण का 60 फीसदी काम हो चुका है, जल्द ही ये जल स्रोत पुनर्जीवित होंगे। कहा कि त्रिटिकल जल स्रोतों का रिचार्ज जोन क्षेत्रों का जियो–हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन कराया जाएगा। कहा का सारा द्वारा पेयजल निगम, जल संस्थान, सिंचाई, लघु सिंचाई, वन विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर यह कार्य किया जा रहा है।

समारोह एक सितंबर को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय गोखांली समाज सेवा की ओर से एक सितंबर को हरतालिका तीजा मिलन समारोह मनाया जाएगा।

संस्था के अध्यक्ष सुरेश गुरुंग ने बताया कि कार्यक्रम गाड़ीघाट स्थित एक बारात घर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाऐंगे।

प्रतियोगिता में शुभम, नागार्जुन व निशा, कोमल रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद की 119 वीं जयंती पर शारीरिक विभाग द्वारा बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता आरंभ करते हुए प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने ब्रिटानी हुकूमत के होते हुए भी हॉकी खेल में भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया।

वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एमडी. कुशवाहा ने स्वरचित कविता के माध्यम से खेल के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में छात्र वर्ग से शुभम कुमार और नागार्जुन शर्मा व छात्रा वर्ग में निशा और कोमल काला विजेता बने। इस दौरान प्रो. रमेश सिंह चौहान, प्रो. आदेश कुमार, डा. चंद्रप्रभा कंडवाल, डॉ. चंद्रप्रभा भारती, डा. ममता कैंत्यूरा और डॉ. संदीप किमोठी सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ट्रेनिंग में बंदूक चलाना सीख रहे वन कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : वन महकमे के कार्मिकों को इन दिनों एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र में बंदूक चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस ट्रेनिंग में विभाग के 25 कार्मिक हैं, जिसमें वन दारोगा और वन आरक्षी शामिल हैं। वन कर्मियों का यह प्रशिक्षण 5 दिन तक चलेगा। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वपनिल अनिरुद्ध ने बताया है कि विभाग के 5 वन दारोगा और 20 वन आरक्षी एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र में ट्रेनिंग के लिए भेजे गए हैं। डीएफओ के मुताबिक गुलदार के सक्रिय होने के बाद ऐसे क्षेत्रों में शिकारियों को तैनात करना पड़ता है। लेकिन विभाग के सामने कई बार दिक्कत यह होती है कि उसके कार्मिक बंदूक चलाने में पूरी तरह से निपुण नहीं होते, ऐसे में बाहर से शिकारी को बुलाकर ऐसे इलाकों में तैनात करना पड़ता है। जिसमें समय कई बार अधिक लग जाता है। एसएसबी प्रशिक्षण सेंटर श्रीनगर में विभागीय कर्मियों को 315 बोर से लेकर 12 बोर डबल बैरल की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी महीने इन कार्मिकों की ट्रेनिंग पूरी हो जाएगी। ऐसे में विभाग को कम से कम 25 प्रशिक्षित कार्मिक मिल जाएंगे। जरूरत पड़ी तो इस अन्य कार्मिकों को भी आने वाले समय में यह प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

पुरोला विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

देहरादून। सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप पंवार ने शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता कर पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल पर मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप पंवार ने कहा कि 25 अगस्त को विधायक ने उनको अपने आवास पर बुलाया। जहां उनके साथ मारपीट की गई। आरोप लगाया कि उनके द्वारा मारपीट वीडियो का बनाया जा रहा था,

नगर निगम के स्वास्थ्य अनुभाग की कार्यशैली पर उठाए सवाल

देहरादून। नगर निगम स्वास्थ्य अनुभाग सफाई कर्मचारियों के हित में काम नहीं कर रहा। नियमितीकरण से लेकर अन्य मांगों पर शासन के आदेश के बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। यह बात शुक्रवार को सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने नगर आयुक्त गौरव कुमार से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने स्वास्थ्य अनुभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दस साल से ज्यादा समय से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर सरकार गाइडलाइन जारी कर चुकी है। लेकिन पद कौन स्वीकृत करवाएगा। मकवाना ने मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना से कहा कि बेवजह कर्मचारियों का शोषण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप तो प्रशासक और नगर आयुक्त का कहना भी नहीं मानते। इसके अलावा भी कर्मचारियों की अन्य मांगों को उठाते हुए कहा कि निगम शासन स्तर से जारी दिशा निर्देशों का पालन करे। नहीं तो नियमित होने की उम्मीद में कई रिटायर होते जाएंगे। यह भी कहा कि कर्मचारियों के काम पारदर्शिता से हों और निगम में एक ही जगह लंबे समय से जमे कर्मचारियों को इधर से उधर किया जाए। ताकि सभी को काम करने का मौका मिले।

वाहन की टक्कर से घायल कर्मचारी की अनदेखी पर नाराजगी

मयूर विहार पुलिस चौकी के सामने शुक्रवार सुबह एक महिला सफाई कर्मचारी को वाहन ने टक्कर मार दी थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। भगवत प्रसाद मकवाना और स्थानीय निवर्तमान पार्षद ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि जिम्मेदार अधिकारी ने मौके पर जाकर उसकी सुध तक नहीं ली। आर्थिक मदद करने के लिए भी मदद का हाथ नहीं बढ़ाया। हालांकि नगर आयुक्त ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

कांग्रेस का प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। उत्तराखंड में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने ऋषिकेश तहसील में प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार महिला उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में विफल है।

हाल के दिनों में उत्तराखंडके विभिन्न जगहों पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म की जो भी घटनाएं हुई हैं, उनकी सीबीआई जांच कराई जाए। इस संबंध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा है। ऋषिकेश तहसील में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश में आए दिन महिलाओं पर अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। राज्य में अंकिता भंडारी से लेकर हेमा नेगी, पिंकी हत्याकांड, चम्पावत में नाबालिंग से बलात्कार, मंगलौर में सामूहिक दुष्कर्म, श्रीनगर में युवती से बलात्कार का प्रयास, द्वाराहाट में नाबालिग दलित युवती से बलात्कार, देहरादून में महिला को बंधक बनाकर दुष्कर्म, बहादराबाद में 13 साल की मासूम के साथ सामूहिक बलात्कार के उपरान्त हत्या और अब रुद्रपुर में नर्स की बलात्कार के बाद हत्या तथा देहरादून आईएसबीटी में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं मानवता को शर्मशार करने के साथ देवभूमि की अस्मिता को कलंकित करने वाली हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेसी मदन मोहन शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि महिला अपराध की घटनाओं में उत्तराखंड राज्य सभी हिमालयी राज्यों में पहले स्थान पर पहुंच चुका है, लेकिन राज्य की भाजपा सरकार महिला अपराध की इन घटनाओं को रोकने के बजाए इस प्रकार के अपराध करने वालों की संरक्षक बनी हुई है। बीते 27 अगस्त को को महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने रुद्रपुर में नर्स के साथ हुए बलात्कार और हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया, जहां उन्हें रुद्रपुर की पुलिस ने डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

इंटक ने कर्मचारियों और राज्य के मुद्दों पर सरकार को घेरा

देहरादून। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों की तमाम समस्याओं और राज्य के विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा है।

22 मुद्दों का एक ज्ञापन सरकार को भेजा। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को कांग्रेस भवन में इंटक के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट ने प्रेसवार्ता कर कई मुद्दे उठाए। हीरा सिंह बिष्ट ने सरकार से मांग की कि गोल्डन फॉरेस्ट की प्रॉपर्टी की नीलामी से प्राप्त धन को सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार प्रदेश के राजकोष में जमा कराया जाए। इसके अलावा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व स्वच्छता अभियान के तहत किए गए खर्च की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों में वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल किए जाने की भी मांग उठाई। उन्होंने देहरादून व हरिद्वार के साथ ही अन्य जिलों में कटते आम, अमरूद व लीची के बागों की ओर भी सरकार का ध्यान खींचा। इसके अलावा पर्वतीय जिलों से पलायन पर अंकुश लगाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व स्वरोजगार आदि व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने की मांग की। बिष्ट ने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में लगभग 70 हजार पद रिक्त है, जबकि राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने सरकार से इन पदों को शीघ्र भरने की मांग की।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी

पत्रांक 905/दो-लेखा/शुद्धि पत्र/2024-25 दिनांक 30/08/2024

''शुद्धि पत्र''

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या-848/दो-लेखा/निविदा सूचना/2024-25 दिनांक 24-08-2024 के द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों की निविदा आमंत्रित की गई है, जो दिनांक 09-09-2024 को अपराह्न 04:00 बजे तक प्रखण्ड कार्यालय में बेची जानी थी एवं दिनांक 10-09-2024 के पूर्वाह्न 11:30 बजे तक आमंत्रित की गई है तथा उसी दिन पूर्वाह्न 12:00 बजे खोली जानी है। उक्त तिथि में आंशिक संशोधन करते हुए उक्त निविदायें अब दिनांक 19-09-2024 को अपराह्न 04:00 बजे तक प्रखण्ड कार्यालय में बेची जाएगी तथा दिनांक 20-09-2024 को पूर्वाह्न 11:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा उसी दिन पूर्वाह्न 12:00 बजे खोली जायेंगी। निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड-पौड़ी।
(0405/67)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा घरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	149-DRM-MB-24-25 30.08.2024	150-DRM-MB-24-25 30.08.2024
कार्य का नाम	Making Ballasted Track for Line No. 1 & 2 in Lieu of deteriorated washable apron for Line No. 1 & 2 and CTR(P) of M/Line 1, 2 in HW-Yard on LRJ-RWL in the section of SSE/WORKS/HW and SSE/PWAY/DDN under ADEN/HW.	TRR(S) =4.091 TKM + 4.085 = 8.176 TKM and CTR(S) = 0.654 TKM in the section of Sr.DEN-1/MB
निविदा का प्रकार	Works	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	24.09.2024 16:00	24.09.2024 16:00
अनुमानित लागत	77,94,526.42	67,74,973.00
घरोहर राशि	1,55,900.00	1,35,500.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	10.09.2024	10.09.2024
ऑफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication, दिनांक: 30.08.2024 2707/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान कोटद्वार

अल्पकालीन निविदा सूचना

पत्रांक 1640 / निविदा सूचना / / 2024-25 दिनांक 29/8/2024

मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से जनपद पौड़ी गढ़वाल शाखा कोटद्वार के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु उत्तराखण्ड जल संस्थान/उत्तराखण्ड पेयजल निगम में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा (सिंगल बिड) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचना www.uktenders.gov.in पर दिनांक 03.09.2024 की सांय 05:00 बजे से उपलब्ध होगी।

कार्य का नाम- जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्न पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत श्रोत कार्य, जलाशय निर्माण, पाईप लाईन बिछाने का कार्य, निजी जल संयोजन दिये जाने एवं तत्सम्बन्धी अन्य कार्य।

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	योजना का नाम	धरोहर राशि	निविदा का कुल मूल्य (जी0एस0 टी0) सहित	निविदा डाउनलोड करने की तिथि एवं समय	प्री-बिड मीटिंग की तिथि	निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	निविदा को खोले जाने की तिथि एवं समय	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	रिखणीखाल	अन्दरसौ पम्पिंग	88000.00	रू0 3000.00 +GST	03.09.2024 सांय 5.00 बजे से	09.09.2024 सांय 2.00 बजे से	16.09.2024 सांय 5.00 बजे तक	18.09.2024 सांय 5.00 बजे तक	19.09.2024 प्रातः 11.00 बजे से	02 माह	"D" या उच्चतर
2	द्वारीखाल	हिलोगी	66000.00	रू0 2500.00 +GST	03.09.2024 सांय 5.00 बजे से	09.09.2024 सांय 2.00 बजे से	16.09.2024 सांय 5.00 बजे तक	18.09.2024 सांय 5.00 बजे तक	19.09.2024 प्रातः 11.00 बजे से	02 माह	"D" या उच्चतर

ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारियां व शर्तें उत्तराखण्ड की वेबसाइट www.uktenders.gov.in पर ऑन लाइन देखी/प्राप्त की जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता
(0404/59)